प्र मा ण प त्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि प्रा. दिलीप मारुती भस्मे ने मेरे निर्देशन में "नागार्जुन के आँचलिक उपन्यासों में समस्याएँ" यह लघु-शोध प्रबंध एम्. फिल. उपाधि के लिए लिखा है। यह उनकी मौलिक रचना है। यह लघु शोधा प्रबंध पूर्व योजना नुसार लिखा गया है। इसमें जो तथ्य प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। मैं संपूर्ण शोध-प्रबंध को अद्योपान्त पढकर ही यह प्रमाण पत्र दे रहा हूँ। मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि, यह लघु शोध प्रबंध किसी भी विद्यापीठ में किसी भी उपाधि के हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है।

निर्देशक

प्राचार्य डॉ. बी.बी. पाटील,

एम्.ए. पी-एच.डी.,

महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर.

कोल्हापुर.

दि. २९-११-१९८९.